HIN17304DCE (4 Credits)

Title – अनुवाद (Anuvad)

इकाई 1

- अनुवाद – अर्थ,स्वरूप एवं परिभाषा
- अनुवाद के प्रकार
- अनुवाद की प्रकिया

इकाई 2

- अनुवादक के गुण
- अनुवाद का महत्व
- अनुवाद की उपयोगिता

इकाई 3

- साहित्यिक अनुवाद की समस्याएं
- कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं
- वैज्ञानिक - तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएं

इकाई 4

- अनुवाद के उपकरण, कोश, पारिभाषिक शब्दावली एवं कम्प्यूटर
- अनुवाद- पुनरीक्षण, सम्पादन एवं मूल्यांकन
- अनुवाद की सार्थकता, प्रासांगिकता तथा व्यावसायिक परिदृश्य

सहायक ग्रंथ

1 अनुवाद विज्ञान की रूपरेखा - डॉ सुरेश कुमार

2 कम्प्यूटर और हिन्दी - डॉ हरिकोखन

3 अनुवाद सिद्धांत और स्वरूप - डॉ मनोहर सराफ

4 अनुवाद के विविध आयाम - डॉ पूरनचन्द टण्डन

5 अनुवाद कला - डॉ विश्वनाथ अय्यर

6 अनुवाद की समस्याएँ - भोलानाथ तिवारी

7 अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग - डॉ कैलाश चन्द्र भाटियां

8 कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजय कुमार मल्होत्रा

9 अनुवाद अवधारणा और अनुप्रयोग - डॉ चन्द्रभान शुक्ल

10 अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग - डॉ आदिनाथ

HIN17305DCE **(4 Credits)**

Title - लंबी कविता (Lambi Kavita)

इकाई 1 : लंबी कविता की सैद्धांतिक भूमिका

- लंबी कविता का स्वरूप
- इतिहास
- मुख्य कवि {परिचय}

इकाई 2 : असाध्य वीणा - अज्ञेय (गहन अध्ययन)

- 'असाध्य वीणा' कविता की व्याख्या
- संवेदना
- भाषा सौन्दर्य

इकाई 3 : अंधेरे में - मुक्तिबोध (गहन अध्ययन)

- 'अंधेरे में' लंबी कविता के रूप में कविता की विशेषता
- 'अंधेरे में' कविता में फैंटेसी का आलेखन
- 'अंधेरे में' कविता में संवेदना का स्वरूप

इकाई 4 : आत्महत्या के विरूद्ध - रघुवीर सहाय (गहन अध्ययन)

- लंबी कविता के रूप में 'आत्महत्या के विरूद्ध' कविता का वैशिष्ट्य
- 'आत्महत्या के विरूद्ध' कविता में भारतीय लोकतंत्र का स्वरूप
- 'आत्महत्या के विरूद्ध' कविता में भाषा-सौष्ठव

संदर्भ ग्रन्थ

1 लंबी कविताएँ और नरेन्द्र मोहन - डॉ.रमेश सोनी
नवराज प्रकाशन, दिल्ली

2 अज्ञेय की कविता - एक मूल्यांकन - चन्द्रकान्त वांदिक्डेकर
सरस्वती प्रेस, नई दिल्ली

3 मुक्ति बोध :काव्य और जीवन विवेक - चंद्रकांत देवताले
राजकमल प्रकाशन , दिल्ली

4 रघुवीर सहाय : - सं.विष्णु नागर, असद जैदी
आधार प्रकाशन,पंचकुला

5 नई कविता का परिप्रेक्ष्य - डॉ.परमानंद श्रीवास्तव
नीलम प्रकाशन,इलाहबाद

6 नई कविता - आ.नंददुलारे वाजपेयी

7आधुनिक काव्य कथा व दर्शन - आ.राममूर्ति त्रिपाठी

8 प्रसाद,निराला,व अज्ञेय - रामस्वरूप चतुर्वेदी

9 नई कविता और अस्तित्ववाद - डॉ रामविलास शर्मा

10 अज्ञेय - विद्यानिवास मिश्र

HIN17306DCE **(4 Credits)**

Title – विशिष्ट साहित्यकार:प्रेमचन्द (Vishist Sahityakar : Premchand)

ईकाई 1

- प्रेमचन्द व्यक्तित्व एवं कृतित्व

ईकाई 2 कथाकार प्रेमचन्द: सामान्य परिचय

- दो उपन्यास - निर्मला
  - प्रतिज्ञा
- मानसरोवर भाग 1 कहानी - संग्रह से तीन कहानियां
  - ईदगाह
  - ठाकुर का कुंआ
  - पूस की रात

ईकाइ-3

- प्रेमचन्द के नाटकों का सामान्य परिचय
  - कर्बला
  - प्रेम की वेदी

ईकाइ-4

- प्रेमचन्द के निबंधों का सामान्य परिचय
  - साहित्य का उद्देश्य
  - कुछ विचार

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1 प्रेमचन्द- घर में - शिवरानी देवी।

2 प्रेमचन्द: एक विवेचन - इन्द्रनाथ मदान।

3 प्रेमचन्द:कलम का सिपाही - अमृतराय।

4 प्रेमचन्द:जीवन कला एवं कृतित्व - हंसराज रहबर।

5 प्रेमचन्द:साहित्यिक विवेचन - नंददुलारे वाजपेयी

6 प्रेमचन्द:एक अध्ययन - राजेश्वर गुरू।

7 प्रेमचन्द:के साहित्य सिद्धान्त - नरेन्द्र कोहली

8 प्रेमचन्द:एक कला व्यक्तित्व - जैनेन्द्र

9 प्रेमचन्द:स्मृति - सं.अमृतराय

10 प्रेमचन्द:चिन्तन और कला - इन्द्रनाथ मदान।

HIN17307DCE (4 Credits)

Title- नाटककार भारतेन्दु हरिशचंद्र (Natakkar Bharatendu Harishchander)

इकाई 1

- भारतेन्दु हरिशचंद्र का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- भारतेन्दु के नाटकों का सामान्य परिचय
- अंधेर नगरी (नाटक का सामान्य अध्ययन)

इकाई 2

- हिन्दी नाटक के प्रकार
- एकांकी – परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताएं
- एकांकी का प्रस्तुतिकरण

इकाई 3

- अंधेर नगरी का कथ्य
- उद्देश्य,प्रासंगिकता
- शिल्प वैशिष्ट्य

इकाई 4

- अंधेर नगरी में चित्रित समस्याएं
- अंधेर नगरी नाटक का शिल्प विधान
- रंगमंच की दृष्टि से अंधेर नगरी नाटक का मंचीकरण

संदर्भ ग्रंथ

1 हिन्दी नाटक उदभव और विकास - डॉ.दशरथ ओझा

2 हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष -गिरीश रस्तोगी ,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3 हिन्दी नाट्य परिदृश्य - डॉ. धीरेन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली

4 रंगदर्शन - नेमीचंद्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

5 हिन्दी नाटक - बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली

6 हिन्दी नाटक और रंगमंच पहचान और परख - इन्द्रनाथ मदान

7 हिन्दी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल

8 हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र

9 हिन्दी साहित्य संवेदना और विकास - डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी

10 काव्य तत्वविमर्श - आ.राममूर्ति त्रिपाठी

HIN17404DCE (4 Credits)

Title- आलोचना (Aalochna)

इकाई **1**

- हिन्दी आलोचना का स्वरूप,अर्थ एवं परिभाषा
- हिन्दी आलोचना के उदय
- हिन्दी आलोचना के प्रकार एवं प्रणालियां

इकाई **2**

- स्वतंत्रयोतर आलोचना की विविध प्रवृतियां
- शास्त्रीय आलोचना परम्परा
- मनोवैज्ञानिक परम्परा

इकाई **3**

- हिन्दी की स्वच्छन्दतावादी आलोचना
- आधुनिक आलोचना
- अस्तित्वादी आलोचना

इकाई **4**

- आलोचना के मानदण्ड
- नन्ददुलारे वाजेपयी जी की आलोचना
- हज़ारी प्रसाद द्विवेदी जी की आलोचना

संदर्भ ग्रन्थ

1 आलोचक और आलोचना - बच्चन सिंह

2 साहित्यालोचना - श्यामसुन्दर दास

3 पाश्चात्य समीक्षा शास्त्र ः सिद्धान्त और परिदृश्य - नगेन्द्र

4 हिन्दी समीक्षा ः स्वरूप और संदर्भ - रामदरश मिश्र

5 हिन्दी आलोचना ः बीसवीं शताब्दी - निर्मला जैन

6 काव्य तत्व विमर्श - आचार्य राममूर्ति त्रिपाठी

7 रस मीमांसा - रामचन्द्र शुक्ल

8 रस सिद्धान्त - डॉ.नगेन्द्र

9 काव्यशास्त्र की विश्वकोषीय भूमिका - आचार्य राममूर्ति त्रिपाठी

10 संरचनावाद व उतर संरचनावद - गोपीचंद नारंग

HIN17405DCE **(4 Credits)**

Title - कवि हरिवंशराय बच्चन - विशेष अध्ययन

(Kavi Harivanshrai Bachan – Vishesh Addhyan)

इकाई **1**

- बच्चनः व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इकाई **2**

- मधुशाला - आरंभिक **20** छंद (व्याख्याएं)
- हालावाद का स्वरूप
- बच्चन काव्य का प्रमुख प्रतिपाद्यय

इकाई **3**

- मधुकलश - आरंभिक **10** छंद (व्याख्याएं)
- समसामयिकता
- बच्चन काव्य में प्रेम व उमंग का उद्देश्य

इकाई **4**

- हालावाद
- हालावादी प्रतीकात्मक शब्द
- प्रमुख हालावादी कवि

सहायक ग्रन्थ ः

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास	आ० रामचन्द्र शुक्ल
2 हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ० नगेन्द्र
3 काव्यशास्त्र के नये क्षितिज	आ० राममूर्ति त्रिपाठी
4 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
5 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	डॉ० बच्चन सिंह
6 हिन्दी साहित्य उद्भव व विकास	आ० हज़ारीप्रसाद द्विवेदी
7 आधुनिक साहित्य	नंददुलारे वाजपेयी
8 हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी	नंददुलारे वाजपेयी
9 हिन्दी साहित्य की कहानी	प्रभाकर माचवे
10 आधुनिक काव्य का कला व दर्शन	आ० राममूर्ति त्रिपाठी

HIN17406DCE **(4 Credits)**

Title- दलित लेखन (Dalit Lakhen)

इकाई **1**

- दलित लेखन, अवधारणा एवं विकास
- दलित साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता
- दलित साहित्य की आर्थिक मान्यताएं

इकाई **2**

- दलित साहित्य की सार्थकता
- दलित सौन्दर्यशास्त्र
- दलित साहित्य की शिल्पगत प्रवृत्तियां

इकाई **3**

- जय प्रकाश कर्दम का साहित्यिक योगदान
- 'छप्पर' उपन्यास का कथ्य की दृष्टि से विश्लेषण
- 'छप्पर' उपन्यास का दलित सौन्दर्यशास्त्र की दृष्टि से विश्लेषण

इकाई **4**

- ओमप्रकाश वाल्मीकी का साहित्यिक परिचय
- 'जूठन' उपन्यास का कथ्य की दृष्टि से विश्लेषण
- 'जूठन' उपन्यास का दलित सौन्दर्यशास्त्र की दृष्टि से विश्लेषण

संदर्भ ग्रंथ

1 आधुनिक साहित्य में दलित चेतना - देवेन्द्र चौबे , ओरिएंट ब्लैकस्वान दिल्ली

2 दलित साहित्य- स्वरूप और संवेदना - सूर्यनारायण रणसुभे, अमित प्रकाशन गाजियाबाद

3 अस्मिताओं के संघर्ष में दलित समाज - ईश कुमार, अकादमिक प्रतिभा दिल्ली

4 दलित साहित्य- इतिहास, वर्तमान और भविष्य - नटराज प्रकाशन दिल्ली

5 दलित चेतना और स्त्री - विजय कुमार संदेश, डॉ. नामदेव

6 मुख्यधारा और दलित साहित्य - सामयिक प्रकाशन नयी दिल्ली

7 दलित सौन्दर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मिकी राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

8 दलित विशेषांक - हंस पत्रिका

9 हिन्दी का गद्य साहित्य - डॉ. रामचन्द्र तिवारी

10 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

HIN17407DCE (4 Credits)

Title - निबन्धकार ः आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – विशेष अध्ययन

(Nibandhkar : Aacharya Ramchander Shukal – Vishesh Addhyan)

इकाई **1**

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ः व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इकाई **2**

- चिन्तामणि (भाग एक) ः आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

  केवल निम्नलिखित निबन्धों का गहन अध्ययन ः

  श्रद्धा- भक्ति, कविता क्या है, लज्जा- ग्लानि

- व्याख्या एवं सार

इकाई **3**

- चिन्तामणि के निर्धारित निबन्धों का कथ्य
- हिन्दी निबन्ध साहित्य में शुक्ल जी का स्थान
- शुक्ल जी के निबन्धों की सामान्य विशेषताएं

इकाई **4**

- चिन्तामणि में आधारित आलोचनात्मक प्रश्न
- व्यक्ति- वैचित्रयवाद
- भाव -मनोविकार

सन्दर्भ ग्रन्थ

1 निबन्धकार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	डॉ ललित प्रसाद सकसेना
2 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	विजेचन्द्र स्नातक
3 आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी का संग्रह साहित्यिक	डॉ. चंदुनाथ चौबे
4 आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी	डॉ.त्रिभुवन सिंह
5 निबन्धकार आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी	आ.राममूर्ति त्रिपाठी
6 आचार्य रामचन्द शुक्ल व हिन्दी आलोचना	डॉ.रामविलास शर्मा
7 आलोचक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	राममूर्ति त्रिपाठी
8 हिन्दी का गद्य साहित्य	डॉ.रामचन्द्र तिवारी
9 हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी	नंददुलारे वाजपेयी
10 मंजूषा	आ.विश्वनाथ प्रभामणि

HIN17104 DCE **Credits - 4**

Title - हिन्दी भाषा का विकास (Hindi Bhasha Ka Vikas)

इकाई 1

- हिन्दी और उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
- प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं - संक्षिप्त परिचय - वैदिक एवं लौकिक
- मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं पालि एवं प्राकृत

इकाई 2

- आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं -
- वर्गीकरण
- हिन्दी का भौगोलिक विस्तार

इकाई 3

- हिन्दी की उपभाषाएं
- हिन्दी विविध रूप (राज भाषा, राष्ट्र भाषा, संपर्क भाषा)
- हिन्दी शब्द समूह (तत्सम, तद्भव, देशी- विदेशी)

इकाई 4

- देवनागरी लिपि
- परिचय एंव विशेषताएं
- त्रुटियां एवं समाधान

सहायक ग्रन्थ {Bibliography}

1 हिन्दी भाषा - डॉ.भोलानाथ तिवारी

2 हिन्दी भाषा का इतिहास - डॉ. धीरेन्द्र वर्मा

3 हिन्दी भाषा का उदभव और विकास - डॉ. उदय नारायण तिवारी

4 भारतीय आर्य भाषाएँ - सुनीति कुमार चटर्जी

5 हिन्दी भाषा का उदभव और विकास - जुआल गुणानन्द

6 मध्य कालीन अवधी का विकास - डॉ. अनितकुमार तिवारी , डॉ. कन्हेया सिंह

7 भाषा शास्त्र तथा हिन्दी भाषा रूपरेखा - डॉ. देवेन्द्र कुमार शास्त्री

8 हिन्दी भाषा तथा उनकी बोलियॉ - कृपा शंकर सिंह

9 हिन्दी ः उद्भव व विकास - डॉ.हरदेव बाहरी

10 हिन्दी व्याकरण -आ. कामताप्रसाद गुरू

11 हिन्दी शब्दानुशासन -आ.किशोरीदास वाजपेयी

HIN17105 DCE **Credits - 4**

Title- आदिकालीन काव्य (Aadikaleen Kavya)

इकाई 1-

- चंदबरदायी - पृथ्वीराज रासो

(शशिव्रता विवाह समय – आरंभिक 5 छंद।)

ना. प्र. सभा काशी

- रासो साहित्य की परम्परा
- पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता एंव भाषा

इकाई 2-

- विद्यापति पदावली- सं. शिवप्रसाद सिंह - आरंभिक 10 पद
- विद्यापति भक्ति या श्रृंगारी
- काव्य - सौष्ठव

इकाई 3-

- अमीर खुसरो - ना. प्रच. सभा - आरंभिक 10 छन्द
- अमीर खुसरो की साहित्यिकता
- अमीर खुसरो का लोक तत्व

इकाई 4-

- चंदबरदायी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- विद्यापति का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- अमीर खुसरो का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

सहायक ग्रथं सूची-

1 चंदवरदायी - डॉ शांत सिंह

2 विद्यापति - डॉ शिव प्रसाद सिंह

3 अमीर खुसरो - साहित्य अकादमी नई दिल्ली

4 हिन्दी साहित्य का इतिहास - आ. राम चन्द्र शुक्ल

5 संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो - आ.हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

6 हिन्दी का आदिकाल - आ.हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

7 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – आचार्य रामस्वरूप चतुर्वेदी

8 अमीर खुसरो - माजदा असद

9 विद्यापति - साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

10 हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ बच्चन सिंह

|

HIN17106 DCE Credits - 4

Title : कश्मीर का हिन्दी साहित्य (Kashmir ka Hindi Sahitya)

इकाई -1

कश्मीर का हिन्दी साहित्य - एक परिचय

इकाई -2

कश्मीर का हिन्दी काव्य

- रत्नलाल शान्त का काव्यगत परिचय
- शशिशेखर तोषखानी का काव्यगत परिचय

इकाई -3

- कश्मीर का हिन्दी उपन्यास- साहित्य
- चन्द्रकान्ता के उपन्यासों का सामान्य परिचय
- श्रीमती खेमलता वखलू के उपन्यासों का सामान्य परिचय

इकाई -4

- कश्मीर का हिन्दी कहानी- साहित्य
- हरिकृष्ण कौल के कहानी - संग्रहों का सामान्य परिचय
- अवतार कृष्ण राज़दान के कहानी - संग्रहों का सामान्य परिचय

सन्दर्भ ग्रन्थ-

- कश्मीर और हिन्दी - रामकाव्य का तुलनात्मक अध्ययन
  डॉ.ओंकर कौल
  बाहरी अध्ययन पब्लिकेशनज़ दिल्ली
- कश्मीर इटस कल्चर हेरिटेज - कोमुदी ऐशिया पब्लिकेशन हाउस बम्बई
- कश्मीर में हिन्दी - अवतार कृष्ण राजदान

HIN17107 DCE **Credits - 4**

Title - गद्य की नई विधाएं (Gadhya ki Nai Vadhayen)

इकाई **1-**

- गद्य और उसकी विधाएं- एक परिचय
- यात्रावृत्त - परिभाषा , परिचय एंव विकास
- रिपोतार्ज - परिभाषा, परिचय एंव विकास

इकाई **2-**

- डायरी (वासरी)- परिभाषा, परिचय एंव विकास
- जीवनी - परिभाषा, परिचय एंव विकास
- आत्मकथा - परिभाषा , परिचय एंव विकास

इकाई **3-**

- साक्षात्कार - परिभाषा, साक्षात्कार की विशेषताएं
- व्यंग्य - परिभाषा, हास्य व्यंग्य की विशेषताएं
- पत्र- साहित्य

इकाई **4-**

- लघु - कथा - परिभाषा, प्रकार, विशेषताएं
- पटकथा - अवधारणा और स्वरूप
- गद्यकाव्य - परिभाषा और स्वरूप

संदर्भ ग्रन्थ ः

1 हिन्दी का गद्य साहित्य	डॉ.रामचन्द्र तिवारी
2 काव्यशास्त्र	भगीरथ मिश्र
3 हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ.नगेन्द्र
4 बेहया का जंगल	डॉ.कृष्ण बिहारी मिश्र
5 हिन्दी गद्य का विविध रूप	रामचन्द्र लावनिया
6 साहित्यिकी	शान्तिप्रिय द्विवेदी
7 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी
8 त्रिशंकु	अज्ञेय
9 साहित्यिक निबन्ध	डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
10 आधुनिक साहित्यिक निबन्ध	डॉ.त्रिभुवन सिंह

HIN17204DCE **(4 Credits)**

Title - भाषा विज्ञान (Bhasha Vigyan)

इकाई 1

- भाषा विज्ञान – परिभाषा, स्वरूप एवं क्षेत्र
- भाषा विज्ञान - अध्ययन पद्धतियां
- भाषा विज्ञान की विविध शाखाएं

इकाई 2

अर्थ विज्ञान- वाक्य विज्ञान

- अर्थ विज्ञान- परिभाषा एंव स्वरूप
- अर्थ परिवर्तन की दिशाएं
- वाक्य विज्ञान के विभिन्न तत्व

इकाई 3

रूप विज्ञान, ध्वनि विज्ञान

- रूप विज्ञान - परिभाषा एंव स्वरूप
- रूप विज्ञान के प्रकार
- ध्वनि (स्वर) परिवर्तन के कारण

इकाई 4

- वाक्य विज्ञान - परिभाषा एंव स्वरूप
- वाक्य के प्रकार
- वाक्य परिवर्तन के प्रकार

सहायक ग्रंथ

1 भाषा विज्ञान कोश-	डॉ. भोलानाथ तिवारी
2 शैली विज्ञान का इतिहास-	पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'
3 हिन्दी शब्द समूह का विकास-	डॉ. नरेश मिश्र
4 शैली विज्ञान और संरचनावाद-	डॉ. नरेन्द्र सेनी।
5 हिन्दी भाषा	डॉ. भोलानाथ तिवारी
6 भाषा विज्ञान	आ.देवेन्द्रनाथ शर्मा
7 भाषा विज्ञान : सिद्धान्त व प्रयोग	डॉ. द्वारका प्रसाद स्कसेना
8 शैली विज्ञान	विद्यानिवास मिश्र
9 हिन्दी व्याकरण	आ.कामताप्रसाद गुरू
10 हिन्दी शब्दानुशासन	किशोरीदास वाजपेयी

HIN17205DCE **(4 Credits)**

Title- रीतिकालीन श्रृंगारेत्तर काव्य (Retikaleen Shringarater Kavya)

इकाई 1

- गुरू गोविन्द सिंह – सबद हज़ारे 5 पद
- गुरू गोविन्द सिंह का काव्यात्मक परिचय
- काव्य भाषा

इकाई 2

- भूषण ग्रन्थावली: विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (5) पद
- भूषण का काव्यात्मक परिचय
- राष्ट्रीयता

इकाई 3

- गिरधर कवि राय - ना. प्र. सभा काशी- आरंभ से 5 कुण्डलिया छंद
- गिरधर का नीति काव्य
- काव्य सौंदर्य

इकाई 4

- गुरू गोविन्द सिंह का दार्शनिक चिन्तन
- भूषण का काव्य शिल्प
- गिरधर की नीति काव्य की परम्परा

सहायक ग्रंथ सूची-

1 गुरू गोविन्द सिंह - डॉ. महीप सिंह

2 दशमगंध के विविध आयाम - विनोद तनेजा

3 सिक्ख गुरूओं का पुण्य स्मरण - आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

4 भूषण - अश्वनी परासर

5 भूषण ग्रन्थावली - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

6 गिरधर कविराय ग्रन्थावली -ना. प्र. सभा

7 हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

8 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी

9 हिन्दी साहित्य का अतीत- भाग- 2 - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

HIN17206DCE **(4 Credits)**

Title-आधुनिक हिन्दी महिला कथा - साहित्य (Adhunik Hindi Mahila Katha Sahitya)

इकाई 1

- नारी चेतना- नारी विमर्श
- नारी विमर्श पर आधारित ग्रन्थ
- आधुनिक हिन्दी महिला कथा लेखन में नारी चेतना

इकाई 2

- स्वतंत्रता पूर्व महिला कथा लेखन
- स्वतंत्र्योत्तर महिला कथा लेखन
- समकालीन महिला कथाकार

इकाई 3

- कहानीकार मीरा कांत का साहित्यिक परिचय
- 'काग़ज़ी बुर्ज़ ' कहानी-संग्रह का कथ्य
- 'काग़ज़ी बुर्ज़ ' कहानी-संग्रह की मूल समस्या

इकाई 4

- मैत्रयी पुष्पा का साहित्यिक परिचय
- मैत्रयी पुष्पा के उपन्यास 'गुनाह बे गुनाह' का कथ्य
- 'गुनाह बे गुनाह' उपन्यास में कामकाजी महिलाओं की सामाजिक समस्या

संदर्भ ग्रंथ

1 हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास - सुमन राजे, ज्ञानपीठ प्रकाशन दिल्ली

2 श्रृंखला की कडियॉ - महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद

3 नारीवाद राजनीति, संघर्ष और मुद्दे - साधना आर्य, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय दिल्ली, विश्वविद्यालय दिल्ली।

4 आधुनिक कथा साहित्य में नारी - स्वरूप और प्रतिमा -डॉ. उमा शुक्ल,डॉ. माधुरी छेड़ा,अरविन्द प्रकाशन बंबई

5 भारतीय नारी- कल आज और कल, - सरोज गुप्ता प्रकाशन संस्थान दिल्ली

6 स्त्री चेतना के प्रस्थान बिन्दु, - सुनीता गुप्ता प्राकाशन संस्थान दिल्ली

7 हिन्दी का गद्य साहित्य - डॉ.रामचन्द्र तिवारी

8 वाधवृन्ध (नदी, नारी और संस्कृति) - विद्यानिवास मिश्र

9 हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र

10 गुनाह बे गुनाह - मैत्रयी पुष्पा

11 काग़ज़ी बुर्ज - मीरा कांत

HIN17207DCE **(4 Credits)**

Title : रेखाचित्र एवं संस्मरण (Rekhachitra Aur Sansamaran)

इकाई **1**

- रेखाचित्र- परिभाषा, उदभव और विकास
- संस्मरण- परिभाषा उदभव और विकास
- रेखाचित्र एवं संस्मरण का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई **2**

- 'अतीत के चलचित्र' - महादेवी वर्मा
- रामा, बालिका वधु, मां, साबिया
- 'अतीत के चलचित्र' का नामकरण

इकाई **3**

- 'अतीत के चलचित्र' में सामाजिक चित्रण
- 'अतीत के चलचित्र' की भाषा- शैली
- 'अतीत के चलचित्र' में नारी - भावना

इकाई **4**

- 'बाजे पायलिया के घुंघरू' का कथ्य
- संस्मरण साहित्य में कन्हैयालाल मिश्र के संस्मरणों का महत्व
- 'बाजे पायलिया के घुंघरू' का प्रतिपाद्य

सहायक ग्रन्थः-

1 महादेवी वर्मा के रेखाचित्र - डॉ. मक्खनलाल शर्मा

2 हिन्दी रेखाचित्र - डॉ. कृपाशेष सिंह

3 हिन्दी का संस्मरण साहित्य - डॉ. कामेश्वर शरण

4 हिन्दी रेखाचित्र: सिद्धान्त और विकास - डॉ. मक्खनलाल शर्मा

5 हिन्दी रेखाचित्र - डॉ. हरवंश लाल शर्मा

6 हिन्दी का गद्य- साहित्य - डॉ. रामचन्द्र तिवारी

7 हिन्दी साहित्य व संवेदना का विकास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

8 रेखाचित्र विशेषांक - हंस पत्रिका

9 आधुनिक साहित्य - अज्ञेय

10 आधुनिक साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

HIN17005GE (2 Credits)

Title- हिन्दी व्याकरण - (I) (Hindi Comprehension & Composition-I)

इकाई-1

- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण- परिभाषा एवं भेद
- क्रिया, काल, कारक - परिभाषा एवं भेद

इकाई-2

- वचन - परिभाषा, प्रकार एवं एकवचन- बहुवचन (शब्द)
- लिंग- परिभाषा, प्रकार एवं स्त्रीलिंग-पुलिंग (शब्द)

HIN17006GE (2 Credits)

Title - हिन्दी व्याकरण- II (Hindi Comprehension & Composition-II)

इकाई-1

- लोकोक्तियों का अर्थ तथा वाक्यों में प्रयोग
- मुहावरों का अर्थ तथा वाक्यों में प्रयोग
- अपठित अनुच्छेद

इकाई-2

- सामान्य पत्र लेखन
- पल्लवन
- संक्षेपण

HIN17007 GE (2Credits)

Title - निबन्ध एवं अनुवाद (Translation & Essay Writing)

इकाई 1

- निबन्ध लेखन (सामान्य)
- कहानी लेखन

इकाई 2

- अंग्रेज़ी से हिन्दी/कश्मीरी/उर्दू में शब्दों एवं वाक्यों का अनुवाद।
- हिन्दी विज्ञापन

HIN17008 GE (2 Credits)

Title - अनुवाद एवं लेखन कौशल **(Translation & writing skills)**

इकाई 1

- अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद
- हिन्दी से अंग्रेज़ी में अनुवाद
- संवाद लेखन

इकाई 2

- सार लेखन
- अनुछेद लेखन
- विज्ञापन लेखन

HIN17003 OE (2 Credits)

Title : हिन्दी शब्द कौशल – भाग-I (Hindi Phonemes & Graphemes I)

इकाई 1

- शब्द लेखन
- मात्राओं वाले शब्द
- वाक्य लेखन

इकाई 2

- वाक्यों के प्रकार
- मिश्रित वाक्य
- संयुक्त वाक्य

HIN17004 OE (2 Credits)

Title : **हिन्दी शब्द कौशल – भाग**-II (Hindi Phonemes & Graphemes II)

इकाई 1

- हिन्दी का शब्द भण्डार
- संधि
- स्त्रीलिंग-पुलिंग (शब्द)

इकाई 2

- एकवचन-बहुवचन (शब्द)
- पुरूषवाचक
- शुद्ध-अशुद्ध (शब्द एवं वाक्य)

HIN17003 GE (2 Credits)

Title : हिन्दी शब्द कौशल -II (Hindi Phonemes & Graphemes- II)

इकाई **1**

- विरामादि चिन्हों का प्रयोग
- हिन्दी के उपसर्ग
- हिन्दी के प्रत्यय

इकाई **2**

- अशुद्धि शोधन – शब्द एवं वाक्य
- संधि
- समास

HIN17004 GE (2 Credits)

Title : हिन्दी व्याकरण एवं लेखन कौशल - (II)

(Hindi Grammer & Writing-II)

इकाई **1**

- पर्यायवाची शब्द
- विलोम शब्द तथा अनेकाथर्क शब्द
- शब्द समूह के लिए एक शब्द

इकाई **2**

- वाच्य- कर्तृवाच्य
- कर्मवाच्य एवं भाववाच्य
- विशेषण की अवस्थाएं- मूलावस्था, उत्तरावस्था,उत्तमावस्था

HIN17005GE (2 Credits)

Title- हिन्दी व्याकरण - (I) (Hindi Comprehension & Composition-I)

इकाई-1

- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण- परिभाषा एवं भेद
- क्रिया, काल, कारक - परिभाषा एवं भेद

इकाई-2

- वचन - परिभाषा, प्रकार एवं एकवचन- बहुवचन (शब्द)
- लिंग- परिभाषा, प्रकार एवं स्त्रीलिंग-पुलिंग (शब्द)

HIN17006GE (2 Credits)

Title - हिन्दी व्याकरण- II (Hindi Comprehension & Composition-II)

इकाई-1

- लोकोक्तियों का अर्थ तथा वाक्यों में प्रयोग
- मुहावरों का अर्थ तथा वाक्यों में प्रयोग
- अपठित अनुच्छेद

इकाई-2

- सामान्य पत्र लेखन
- पल्लवन
- संक्षेपण

HIN17007 GE (2Credits)

Title - निबन्ध एवं अनुवाद (Translation & Essay Writing)

इकाई 1

- निबन्ध लेखन (सामान्य)
- कहानी लेखन

इकाई 2

- अंग्रेज़ी से हिन्दी/कश्मीरी/उर्दू में शब्दों एवं वाक्यों का अनुवाद।
- हिन्दी विज्ञापन

HIN17008 GE (2 Credits)

Title - अनुवाद एवं लेखन कौशल **(Translation & writing skills)**

इकाई 1

- अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद
- हिन्दी से अंग्रेज़ी में अनुवाद
- संवाद लेखन

इकाई 2

- सार लेखन
- अनुछेद लेखन
- विज्ञापन लेखन

HIN17005 OE (2 Credits)

Title - हिन्दी व्याकरण एवं लेखन - भाग- I

(Hindi Grammer & Writing I)

इकाई 1

- संज्ञा - परिभाषा एवं भेद
- सर्वनाम- परिभाषा एवं भेद
- क्रिया एवं काल परिभाषा एवं भेद

इकाई 2

- उपसर्ग- प्रत्यय
- मुहावरे
- लोकोक्तियां (किन्हीं दस का अर्थ एवं वाक्य)

HIN17006 OE (2 Credits)

Title - हिन्दी व्याकरण एवं लेखन - भाग- II

(Hindi Grammer & Writing II)

इकाई 1

- पर्यायवाची
- विलोम
- अनेकार्थक

इकाई 2

- विरामादि चिन्हों का प्रयोग
- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
- युग्म शब्द

HIN17003 GE (2 Credits)

Title : हिन्दी शब्द कौशल -II (Hindi Phonemes & Graphemes- II)

इकाई **1**

- विरामादि चिन्हों का प्रयोग
- हिन्दी के उपसर्ग
- हिन्दी के प्रत्यय

इकाई **2**

- अशुद्धि शोधन – शब्द एवं वाक्य
- संधि
- समास

HIN17004 GE (2 Credits)

Title : हिन्दी व्याकरण एवं लेखन कौशल - (II)

(Hindi Grammer & Writing-II)

इकाई **1**

- पर्यायवाची शब्द
- विलोम शब्द तथा अनेकाथर्क शब्द
- शब्द समूह के लिए एक शब्द

इकाई **2**

- वाच्य- कर्तृवाच्य
- कर्मवाच्य एवं भाववाच्य
- विशेषण की अवस्थाएं- मूलावस्था, उत्तरावस्था,उत्तमावस्था

HIN17007 OE **(2 Credits)**

Title - हिन्दी गद्य लेखन –भाग-I

(Prose Writing-Part-I)

इकाई **1**

- सामान्य पत्र लेखन
- टिप्पणी लेखन
- अनुच्छेद लेखन

इकाई **2**

- अपठित अनुच्छेद (गद्यांश)
- कहानी लेखन
- सार लेखन

HIN17008 OE **(2Credits)**

Title - हिन्दी गद्य लेखन –भाग-II

(Prose Writing-Part-II)

इकाई **1**

- शब्दों का अनुवाद
- वाक्यों का अनुवाद
- शुद्ध-अशुद्ध शब्द एवं वाक्य

इकाई **2**

- हिन्दी विज्ञापन
- सामान्य निबन्ध
- प्रार्थना पत्र

HIN17001 OE Credits – 2

Title - हिन्दी वर्णमाला –भाग- I (Hindi Phonemes & Graphemes-I)

इकाई 1

- स्वर- परिचय, परिभाषा
- मात्राएं एवं उच्चारण स्थान
- स्वरों से प्रारम्भ होने वाले शब्द

इकाई 2

- व्यंजन -परिचय, परिभाषा एवं उच्चारण स्थान
- दो वर्ण, तीन वर्ण एवं चार वर्णों वाले शब्द
- मात्राओं वाले शब्द

HIN17002 OE Credits - 2

Title - हिन्दी वर्णमाला –भाग- II (Hindi Phonemes & Graphemes-II)

इकाई 1

- व्यंजन:परिभाषा
- व्यंजनों का परिचय एवं लेखन
- विदेशी व्यंजन

इकाई 2

- संयुक्त व्यंजन
- पंचमाक्षर, अनुनासिक
- महाप्राण एवं अल्पप्राण ध्वनियां

HIN17001 OE Credits – 2

Title - हिन्दी वर्णमाला –भाग- I (Hindi Phonemes & Graphemes-I)

इकाई 1

- स्वर- परिचय, परिभाषा
- मात्राएं एवं उच्चारण स्थान
- स्वरों से प्रारम्भ होने वाले शब्द

इकाई 2

- व्यंजन -परिचय, परिभाषा एवं उच्चारण स्थान
- दो वर्ण, तीन वर्ण एवं चार वर्णों वाले शब्द
- मात्राओं वाले शब्द

HIN17002 OE Credits - 2

Title - हिन्दी वर्णमाला –भाग- II (Hindi Phonemes & Graphemes-II)

इकाई 1

- व्यंजन:परिभाषा
- व्यंजनों का परिचय एवं लेखन
- विदेशी व्यंजन

इकाई 2

- संयुक्त व्यंजन
- पंचमाक्षर, अनुनासिक
- महाप्राण एवं अल्पप्राण ध्वनियां

M.A. Hindi (Semester-III) CBCS

For the year 2017

HIN17301CR (4 Credits)

Title: आधुनिक कविता (Aadhunik Kavita -1)

इकाईः 1

- साकेत - नवम सर्ग - मैथिलीशरण गुप्त
- मैथिलीशरण गुप्त का काव्य शिल्प
- साकेत में उर्मिला के विरह- वर्णन का स्वरूप
- मैथिलीशरण गुप्त के काव्य का परिचय

इकाईः 2

- कामायनी – चिन्ता, श्रद्धा सर्ग - जयशंकर प्रसाद
- आधुनिक सन्दर्भ में कामायनी की प्रासंगिकता
- 'कामायनी' महाकाव्य का शिल्प
- जयशंकर प्रसाद के काव्य का परिचय

इकाई 3

- राम की शक्ति पूजा - सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
- हिन्दी काव्य में निराला का योगदान
- निराला के काव्य में नारी
- निराला के काव्य का परिचय

इकाईः **4**

- नदी के द्वीप — कविता - अज्ञेय
- समकालीन काव्य में 'नदी के द्वीप' का महत्व
- अज्ञेय की साहित्यिक विशेषताएं
- अज्ञेय का काव्य दर्शन

निर्धारित पाठ्य पुस्तक ः 'आधुनिक काव्य- विविधा'

संपादक ः प्रो. ज़ोहरा अफ़ज़ल

सहायक ग्रन्थ ः (Bibliography)

1 कामायनीः काव्य में संस्कृत और दर्शन - द्वारिका प्रसाद सक्सेना

2 छायावाद और कामायनी - डॉ. तारकनाथ बाली

3 निराला की साहित्य साधना - डॉ. रामविलास शर्मा।

4 कामायनी एक पुनर्विचार - मुक्तिबोध

HIN17303CR **(4Credits)**

Title: हिन्दी नाटक **{Hindi Natak}**

इकाई-1

- नाटक की परिभाषा और तत्व
- नाटक का उदभव और विकास
- आधुनिक नाटक और रंगमंच के विकास पर पाश्चात्य प्रभाव
- तत्वों के आधार पर प्राचीन एवं आधुनिक नाटक की तुलना

इकाई-2

- कर्फ्यू {नाटक} – लक्ष्मीनारायण लाल
- नाट्य साहित्य में लक्ष्मीनारायण लाल का योगदान
- डॉ.लक्ष्मीनारायण लाल की नाट्य-कला
- "कर्फ्यू" नाटक के शीर्षक की सार्थकता

इकाई-3

- चंद्रगुप्त {नाटक} – जयशंकर प्रसाद
- प्रसाद के नाटकों का कथ्य और शिल्प
- रंगमंच की दृष्टि से प्रसाद के नाटकों का मूल्यांकन
- 'चंद्रगुप्त' नाटक की रंगमंचीयता

इकाई-4

- जयशंकर प्रसाद का नाट्य- साहित्य: एक परिचय
- डॉ.लक्ष्मीनारायण लाल का नाट्य- साहित्य: एक परिचय
- 'चंद्रगुप्त' नाटक में इतिहास और कल्पना
- 'कर्फ्यू ' नाटक का शिल्प-विधान

सहायक ग्रन्थ सूची {Bibliography}

1 प्रसाद के नाटक - सुरेन्द्र प्रताप सिंह

2 प्रसाद के नाटक - जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव

3 नाटक और रंगमंच की भूमिका - लक्ष्मीनारायण लाल

4 हिन्दी नाटक और रंगमंच - एक यात्रा - दशव नारायण राय

5 डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल के नाटकों में पात्र-श्रृष्टि - डॉ. ज़ोहरा अफ़ज़ल

6 हिन्दी नाटक - जयदेव तनेजा

HIN17403CR **(4 Credits)**

Title ः प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं जन-संचार, जन माध्यम

Pryojanmulak Hindi Avam JanSanchar, Jan Madiam

इकाई-**1**

- प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप एवं परिभाषा
- प्रयोजनमूलक हिन्दी की आवश्यकता एवं विशेषताएं
- हिन्दी के विविध रूप ः राष्ट्र भाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, मानक भाषा
- राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति

इकाई-**2**

- रोज़गार के क्षेत्र में हिन्दी
- वर्तमान मीडिया में हिन्दी
- विज्ञापन की तकनीक एवं भाषा
- कार्यालयी हिन्दी के प्रमुख प्रकार – प्रारूपण,टिप्पण,प्रतिवेदन

इकाई-**3**

- जन संचार- अर्थ, व्याख्या एवं प्रकार
- रेडियो के क्षेत्र में भाषा की प्रकृति
- तान - अनुतान की समस्या तथा बलाघात की समस्या
- समाचार पठन एवं भाषा का व्यक्तिकरण

इकाई-4

- मानक उच्चारण
- आंगिक एवं वाचिक अभिव्यक्ति
- दृश्य माध्यम में प्रस्तुतीकरण की स्वाभाविकता
- दृश्य माध्यम में दृश्य-श्रव्य एवं संगीत का तालमेल

सहायक ग्रन्थ सूची {Bibliography}

1 प्रयोजनमूलक हिन्दी-सिद्धान्त और प्रयोग - दंगल झलटे

2 प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ.विनोद गोदरे

3 प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ.कमलेश्वर भट्ट

4 व्यवहारिक हिन्दी - डॉ.कैलाशचन्द्र भाटिया

5 व्यवहारिक हिन्दी - डॉ.महेन्द्र मित्रल

6 व्यवहारिक हिन्दी - डॉ.कमला कौशल

7 आधुनिक जनसंचार और हिन्दी - प्रो. हरिमोहन

8 रेडियो, दूरदर्शन - डॉ. हरिमोहन

9 हिन्दी भाषा का उदभव और विकास - हरदेव भारी

10 हिन्दी भाषा -भोलानाथ तिवारी

HIN17102CR Credits - 4

Title : (मध्यकालीन काव्य) Madhykaleen kavya -1

इकाई:- **1**

- कबीर : पृ. सं. **61- 68** (“मध्ययुगीन काव्य विविधा”: प्रो. ज़ोहरा अफज़ल)
- कबीर की भक्ति- भावना
- कबीर का समाज- दर्शन
- कबीर की काव्य- भाषा एवं रहस्यवाद

इकाई:- **2**

- सूरदास : पृ. सं. **96-105** (“मध्ययुगीन काव्य विविधा”: प्रो. ज़ोहरा अफज़ल)
- सूरदास की भक्ति-पद्धति
- सूरदास की वात्सल्य- भावना
- सूरदास का श्रृंगार पक्ष एवं रीति तत्व

इकाई:- **3**

- जायसी : नागमती वियोगखण्ड, सिंहलदीप खण्ड, मानसरोवर खण्ड (पद्मावत)
- पृ. सं. **286-294** तक पृ. सं. **278-286** (“मध्ययुगीन काव्य विविधा”: प्रो. ज़ोहरा अफज़ल)
- जायसी का विरह- वर्णन
- जायसी का रहस्यवाद
- जायसी की प्रेम- व्यंजना एवं महाकाव्यत्व

इकाई:- 4

- भक्ति आन्दोलन ः एक परिचय
- निर्गुण भक्ति एवं सगुण भक्ति में अन्तर
- सूरदास की भाषा-शैली
- जायसी की भाषा-शैली

सहायक ग्रन्थ सूची Biblography

1- कबीर ग्रन्थावली - डॉ. श्याम सुन्दर दास
2- कबीर - सं. हज़ारी प्रसाद द्विवेदी
3- कबीर मीमांसा - डॉ.रामचन्द्र तिवारी
4- कबीर का रहस्यवाद - रामकुमार वर्मा
5- कबीर और कबीर पंथ - सं. डॉ. केदारनाथ द्विवेदी
6- उत्तरी भारत की संत परम्परा - परशुराम चतुर्वेदी
7- जायसी ग्रन्थावली - रामचन्द्र शुकल
8- जायसी का शिल्प विधान - दीक्षित, छोटेलाल
9- हिन्दी सूफी काव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
10- सूरसागर - नन्ददुलारे वाजपेयी
11- सूर साहित्य सन्दर्भ - सं. लक्ष्मीकान्त वर्मा
12- सूरदास और उनका भ्रमरगीत - डॉ. श्रीनिवास शर्मा
13- सूरदास और ब्रजभाषा - प्रभु पायल मितल
14- सूर - मेनेजर पाण्डेय
15- सूर और उनका साहित्य - डॉ. हरवंशराय शर्मा
16- सूरदास - नंददुलरेवाजपेयी
17- सूर-विमर्श - आ. राममूर्ति त्रिपाठी
18-त्रिवेणी - आ. रामचन्द्र शुकल

HIN17202CR **(4 Credits)**

Title : मध्ययुगीन काव्य Medieval Poetry

|

इकाई 1

- तुलसीदास-रामचरितमानस-अयोध्याकाण्ड- रामवनगमन पृ.सं 169-174

(भरत- जनक – संवाद) पृ.सं **246 - 250**

(विनय पत्रिका) पृ.सं **118- 125**

- तुलसी की भक्ति भावना
- समन्वयवाद
- लोकमंगल

इकाई **2**

- बिहारी ः बिहारी रत्नाकर पृ .सं **445- 450**
- बिहारी की बहुज्ञता
- श्रृंगार- पक्ष
- काव्य- सौष्ठय

इकाई **3**

- घनानन्द ः घनानन्द- कवित्त पृ. सं **410- 416**
- घनानन्द का विरह- वर्णन
- प्रेम- व्यंजना
- काव्य- दृष्टि

इकाई 4

- सगुण भक्ति एवं तुलसीदास
- सतसई परम्परा एवं बिहारी
- रीतिमुक्त काव्य एवं घनानन्द
- घनानन्द के काव्य में छंद योजना

निर्धारित पाठ्यपुस्तक

"मध्यकालीन – काव्य विविधा" सम्पादक जोहरा अफ़ज़ल

सहायक ग्रन्थः (Bibliography)

1 गोस्वामी तुलसीदास - आ. रामचन्द्र शुकल
2 आगम और तुलसी -डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
3 तुलसी के हिय हेरि -विष्णुकान्त शास्त्री
4 तुलसी काव्य मीमांसा - उदयभान सिंह
5 तुलसी के अध्ययन की नई दिशाए -मिश्र, रामप्रसाद
6 बिहारी -आ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7 बिहारी सतसई -जगननाथ सिंह
8 बिहारी और उनका साहित्य -डॉ. हरवंशलाल शर्मा
9 बिहारी का नया मूल्यांकन -बच्चन सिंह
10 संक्षिप्त बिहारी (भूमिका) -डॉ. संसार चन्द्र
11स्वच्छन्दकाव्यधारा और घनानन्द -डॉ.मोहनलाल गौड़
12 घनानन्द का काव्य - सहदेव शर्मा
13 घनानन्द की काव्य साधना - मिश्र सभापति
14 संक्षिप्त रामचन्द्रिका(भूमिका) -जगननाथ तिवारी
15 रीतिकाव्य भूषणः देव घनानन्द - रामफेर त्रिपाठी
16 रसखानः व्यक्तित्व एंव कृतित्व -डॉ. माजदा असद
17 महाकवि घनानन्द -राज बुद्धिराजा
18 घनानन्द -सुनीता शर्मा